International Journal of Enhanced Research in Educational Development (IJERED)
ISSN: 2320-8708, Vol. 13 Issue 5, September-October, 2025

विद्यार्थियों के लिए निर्देशन एवं परामर्श की आवश्यकता

प्रो. छत्रसाल सिंह

आचार्य (शिक्षाशास्त्र), शिक्षा विद्या शाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)

सारांश

शिक्षा मानव जीवन के विकास की एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें मार्गदर्शन और सलाह का विशेष महत्व होता है। मनुष्य सामाजिक प्राणी होने के नाते सिर्फ अपनी बुद्धि और विवेक से नहीं, बल्कि दूसरों के अनुभवों और सहयोग से भी उन्नति करता है। यही सहयोग मार्गदर्शन और सलाह कहलाता है। आज के युग में छात्रों के लिए मार्गदर्शन और सलाह लेना बहुत जरूरी है, क्योंकि वे सोशल मीडिया के प्रभाव और बेरोजगारी जैसी समस्याओं के चलते शैक्षणिक, पेशेवर, मानसिक, भावनात्मक और आजीविका संबंधी संघर्षों का सामना कर रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में मार्गदर्शन उनकी समस्याओं को समझने और सुलझाने में मदद करता है, जबकि परामर्श उन्हें आत्मनिर्भर बनाता है ताकि वे स्वयं अपनी कठिनाइयों का समाधान कर सकें। इस प्रकार सही मार्गदर्शन और सलाह लेकर छात्र अपनी प्रतिभा, इच्छाओं और क्षमताओं के अनुसार प्रगति कर सकते हैं और कठिन परिस्थितियों से सफलतापूर्वक निकल सकते हैं | विद्यार्थियों को मार्गदर्शन और सलाह देने से उनके व्यक्तिगत, शैक्षणिक और करियर विकास में सहायता मिलती है, जिससे आत्म-जागरूकता, निर्णय क्षमता और भावनात्मक कल्याण में वृद्धि होती है. यह एक ऐसा सुरक्षित और सहायक माहौल बनाता है जहाँ छात्र अपनी चिंताओं, तनावों और समस्याओं को साझा कर सकते हैं और उन्हें समाधान करने के तरीके सीख सकते हैं, जिससे उनकी संपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि और भविष्य की सफलता में वृद्धि होती है।

मुख्य शब्द : वर्तमान परिप्रेक्ष्य, विद्यार्थी, निर्देशन, परामर्श, आवश्यकता , समग्र प्रक्रिया, मार्गदर्शन ।

प्रस्तावना

मार्गदर्शन और परामर्श एक समग्र प्रक्रिया है जिसका लक्ष्य व्यक्तियों को सही निर्णय लेने, व्यक्तिगत या मनोवैज्ञानिक समस्याओं का समाधान करने और उनकी क्षमता का पूरा विकास करने में सहायता करना है। इस प्रक्रिया में सामान्यतः मार्गदर्शक सलाहकार या चिकित्सक जैसे विशेषज्ञ शामिल होते हैं, जो जीवन में विभिन्न चुनौतियों या परिवर्तनों का सामना कर रहे व्यक्तियों को सहायता और सलाह प्रदान करते हैं। यहां मार्गदर्शन और परामर्श के कुछ महत्वपूर्ण तत्व प्रस्तुत किए गए हैं:

शैक्षिक सहायता: व्यक्तियों, खासकर छात्रों को शैक्षिक और करियर की योजना बनाने में सहयोग करना। इसमें शैक्षणिक सलाह उपलब्ध कराना, छात्रों को कैरियर विकल्प खोजने में मदद करना और शैक्षिक अवसरों के संबंध में जानकारी प्रदान करना शामिल हो सकता है।

व्यक्तिगत और भावनात्मक मार्गदर्शन: व्यक्तिगत समस्याओं, भावनात्मक कठिनाइयों या मानसिक स्वास्थ्य सम्बंधित चिंताओं में लोगों की मदद करना। परामर्शदाता ग्राहकों को अपनी भावनाओं को साझा करने, गहरे मुद्दों की पहचान करने और सामना करने की विधियों को विकसित करने के लिए एक सुरक्षित और सहायक माहौल प्रदान करते हैं।

कैरियर परामर्श: व्यक्तियों को कैरियर से संबंधित निर्णय लेने में मदद करना, जैसे कि कैरियर पथ का चयन करना, नए कैरियर में स्थानांतरित होना, या नौकरी खोज प्रक्रिया को संपन्न करना। कैरियर परामर्शदाता मूल्यांकन कर सकते हैं, कैरियर अन्वेषण के संसाधन प्रदान कर सकते हैं, और रिज़्यूमे लेखन, साक्षात्कार कौशल और नौकरी खोज रणनीतियों पर सलाह दे सकते हैं।

व्यक्तिगत विकास: व्यक्तियों की शक्तियों, मूल्यों और लक्ष्यों की पहचान करने में सहायता देकर व्यक्तिगत विकास और आत्म-जागरूकता को बढ़ावा देना। ग्राहकों को उनके पूर्ण क्षमता के स्तर तक पहुँचने के लिए सशक्त करने के लिए परामर्शदाता विभिन्न तकनीकों, जैसे लक्ष्य-निर्धारण, आत्म-प्रतिबिंब गतिविधियाँ और कौशल-निर्माण अभ्यास का उपयोग कर सकते हैं।

संकट हस्तक्षेप: संकट या आपातकाल, जैसे कि आघात, दुःख, या आत्मघाती विचारों का सामना करने वाले लोगों को तुरंत सहायता और समर्थन देना। परामर्शदाता ग्राहकों को तात्कालिक संकट से निपटने में मदद करते हैं, उन्हें सही संसाधनों से जोड़ते हैं, और निरंतर सहायता तथा पुनर्प्राप्ति के लिए योजना बनाते हैं।

समूह परामर्श: समान चिंताओं या उद्देश्यों वाले व्यक्तियों के छोटे समूहों के साथ परामर्श सत्र आयोजित करना। समूह परामर्श प्रशिक्षित परामर्शदाता की देखरेख में व्यक्तियों को दूसरों के साथ जुड़ने, अनुभव साझा करने और एक-दूसरे से सीखने के लिए सहायक माहौल प्रदान कर सकता है।

कुल मिलाकर, मार्गदर्शन और परामर्श व्यक्तियों को चुनौतियों का सामना करने और उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं में प्रगति करने के लिए आवश्यक सहायता, संसाधन और मार्गदर्शन प्रदान करके मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तिगत विकास और कल्याण को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मार्गदर्शन और परामर्श शब्द हमारे व्यक्तिगत, सामाजिक, शैक्षणिक और पेशेवर जीवन में एक आवश्यक घटक के रूप में उभरकर सामने आए हैं। विभिन्न संस्थाएँ अब व्यक्तियों के हितों से आगे बढ़कर उनके समग्र विकास में सहायता करने के अपने संकल्प के तहत मार्गदर्शन और परामर्श दोनों उपलब्ध कराती हैं।इस प्रकार, यह मुद्दा शैक्षणिक संस्थानों, नर्सिंग, जीवन कोचिंग और अन्य कई क्षेत्रों में जीवन और करियर की दिशा विकसित करने के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत बन गया है।

मार्गदर्शन और सलाह क्या है?
लोगों को उनकी मानसिक, शैक्षणिक और पेशेवर क्षमताओं की पहचान करने और उन्हें उपयोग में लाने में मदद करने की प्रक्रिया, ताकि उनकी खुशी और सामाजिक योगदान का स्तर अधिकतम हो, सलाह और मार्गदर्शन कहलाती है। आपको यह याद रखना चाहिए कि सलाह और मार्गदर्शन एक जैसा नहीं हैं, हालांकि सलाह, मार्गदर्शन का एक हिस्सा है। दोनों का उद्देश्य परिस्थिति से निपटने की क्षमताओं को बढ़ाना, निर्णय लेने को प्रेरित करना, व्यवहार में परिवर्तन में सहायता करना और आपसी संबंधों को सुधारना है।

मार्गदर्शन और सलाह कैसे क्रियाशील होते हैं?
मार्गदर्शन और परामर्श व्यक्ति की रुचियों, बुद्धि, दृष्टिकोण, व्यक्तित्व और क्षमताओं को परिभाषित करते हैं। परामर्शदाता किसी विशेष क्षेत्र में आवश्यक परिवर्तन करने के लिए व्यक्तियों के साथ सहयोग करते हैं। मार्गदर्शन प्रदाता लगातार नवीनतम जानकारी रखते हैं और रोज़गार, इंटर्नशिप, भविष्य की अध्ययन संभावनाओं और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान देते हैं। इस प्रकार, वे व्यक्तियों को उनके विकल्पों की खोज में सहायता करते हैं।

मार्गदर्शन और परामर्श का लाभ हर उम्र में उठाया जा सकता है। यह बचपन से लेकर किशोरावस्था और बुढ़ापे तक निरंतर चलने वाला एक प्रक्रिया हो सकता है। प्रभावी मार्गदर्शन और परामर्श सेवाएँ आपके विकास को आगे बढ़ाने के बजाय, आपकी विकास की प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करती हैं।

मार्गदर्शन और परामर्श का क्या महत्व है?
आधुनिक जीवन में समस्याओं की वृद्धि ने मार्गदर्शन और परामर्श की आवश्यकता को उत्पन्न किया है। मार्गदर्शन और परामर्श का मुख्य महत्व यह है कि ये व्यक्तिगत, सामाजिक, शैक्षिक और करियर विकास को प्रोत्साहित करने वाली सेवाएँ प्रदान करते हैं। मार्गदर्शन और परामर्श व्यक्ति की क्षमताओं और प्रतिभाओं को पहचानकर अनवांछित लक्षणों को दूर करने में सहायता करते हैं और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करते हैं। ये समाज में परिवर्तनों के साथ सामंजस्य बनाने में संसाधनशीलता और आत्म-निर्देशन को भी बढ़ावा देते हैं। लोगों को अपनी पहचान को बेहतर तरीके से जानने में सहायता करता है - भावनाओं, विचारों और कार्यों के प्रति आत्म-जागरूकता को बढ़ावा देता है।
निर्णय लेने में सहायता प्रदान करता है- शिक्षण, कैरियर और निजी जीवन के संदर्भ में जानकारीपूर्ण विकल्प चुनने में लोगों की मदद करता है।

भावनात्मक भलाई में सुधार - तनाव, चिंता, उदासी या निजी कठिनाइयों का सामना करने में मदद करता है। सकारात्मक सोच और अपनी क्षमताओं पर विश्वास का समर्थन करता है - आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास का विकास करता है।

संचार और समस्या-समाधान क्षमताओं को निखारता है - भावनाओं को सटीक रूप से व्यक्त करना और संघर्षों का समुचित प्रबंधन करना सिखाता है। कैरियर और शैक्षणिक सहायता देता है - छात्रों और पेशेवरों को उनकी रुचियों और ताकत के आधार पर सही दिशा चुनने में मदद करता है। रिश्तों को संजीवनी देता है- यह व्यक्तियों को परिवार, दोस्तों या साथी के साथ अपने संबंधों को सुधारने में सहायक होता है।

सकारात्मक आचरण और स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देता है - सही दिनचर्या, अनुशासन और भावनात्मक संतुलन के विकास में मदद करता है। गंभीर समस्याओं के लिए त्वरित सहायता उपलब्ध कराता है - भावनात्मक या व्यवहारिक चुनौतियों को उनके बढ़ने से पहले पहचानता है और उनका निदान करता है।

मार्गदर्शन और सलाह के स्वरूप

जीवन के विभिन्न आयामों में दिशा और सलाह के 5 प्रमुख प्रकार हैं। सलाह और मार्गदर्शन के विविध प्रकारों का उल्लेख नीचे किया गया है-

विवाह सलाह और मार्गदर्शन - विवाह सलाह और मार्गदर्शन एक पेशेवर सहायता सेवा है जिसका उद्देश्य जोड़ों को उनके संबंधों में आने वाली समस्याओं का सामना करने में सहायता करना है। योग्य चिकित्सकों या सलाहकारों द्वारा संचालित, यह एक सुरक्षित और गोपनीय माहौल प्रस्तुत करता है जहाँ साथी संवाद की कठिनाइयों, विश्वास की चिंता, भावनात्मक दूरी या जीवन में परिवर्तनों जैसे मुद्दों पर खुलकर बात कर सकते हैं।

यह प्रक्रिया समझ को प्रोत्साहित करने, आपसी संवाद को सुधारने और आगे बढ़ने के रचनात्मक तरीकों की पहचान पर केंद्रित है, चाहे इसका अर्थ संबंध को मजबूत करना हो या उसके भविष्य पर निर्णय लेना हो। विवाह परामर्श युगलों को संवाद की बेहतर शैली विकसित करने में सहयोग करता है और दीर्घकालिक रिश्तों में खुशहाली को बढ़ावा देता है।

शिक्षा परामर्श और दिशा-निर्देश - हाल के समय में शैक्षिक क्षेत्र में मार्गदर्शन और परामर्श का विशेष महत्व बढ़ गया है। शिक्षा में मार्गदर्शन और परामर्श का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक उपलब्धियों में सुधार करना, अधिग्रहण क्षमता बढ़ाना, संघर्ष का समाधान करना और छात्रों में पढ़ाई छोड़ने की दर को घटाना है।

इन समस्याओं का समाधान करने के लिए उपचार के साथ-साथ सलाह और मार्गदर्शन की भी आवश्यकता होती है। साक्षरता दर में वृद्धि के बावजूद, किशोरों में गलत फैसले लेने की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है। इसलिए, इस स्थिति से बाहर निकलने और जीवन को सही दिशा में ले जाने के लिए किशोरों को सहायता के लिए मार्गदर्शन और परामर्श प्राप्त करना चाहिए।

करियर सलाह

करियर काउंसलिंग व्यक्तियों को उनके रोजगार के विकल्पों से अवगत कराती है। वे आपकी रुचियों और व्यक्तित्व का मूल्यांकन करते हैं और फिर आपको आपके लिए उपयुक्त सर्वश्रेष्ठ करियर विकल्पों के बारे में सलाह देते हैं।

जब आप एक करियर काउंसलर से मिलते हैं, तो वे आपके कौशल और क्षमताओं की पहचान में मदद करते हैं। मार्गदर्शन और सलाह के माध्यम से, करियर काउंसलर आपको अपने करियर से जुड़ी समस्याओं का एक विस्तृत और सुधारात्मक समाधान प्रदान करते हैं। आप इस करियर काउंसलर प्लेटफ़ॉर्म पर जाकर, किसी भी करियर की शुरुआत से पहले आवश्यकता होने पर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। एक करियर काउंसलर आपको विभिन्न सुझाव देगा, चाहे वह इंटरव्यू में सफल होने के तरीकों पर हो या कार्यस्थल के दबाव को संभालने के विषय में। काउंसलर, मार्गदर्शन और सलाह के द्वारा, आपको आगे बढ़ने और अपने करियर में मनचाहे परिणाम हासिल करने में सहायता करते हैं।

समावेशी शिक्षा

समावेशी शिक्षा एक ऐसा ढांचा है जो बच्चों को शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और अन्य अक्षमताओं के आधार पर भेदभाव से मुक्त रखता है और उन्हें समान रूप से स्वीकार करता है। यह शिक्षा प्रणाली भारतीय संविधान के अनुसार कार्य करती है, जिसमें प्रत्येक बच्चे को शिक्षा का अधिकार प्राप्त है, चाहे वह विशेष हो या सामान्य, बिना किसी भेदभाव के एक ही विद्यालय में सभी आवश्यक तकनीकी और सामग्रियों के साथ उनकी सीखने-सिखाने की आवश्यकताओं को पूरा करती है।

सभी विद्यार्थियों को समान अवसर देना। विविधता में एकता को प्रोत्साहित करना। जाति, लिंग, अक्षमता, स्वास्थ्य या अन्य आवश्यकताओं के बावजूद सभी छात्रों को एकीकृत करना। विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा, प्रदर्शन आदि के अनुसार वर्गीकृत नहीं करना।

जब उचित मार्गदर्शन और प्रभावी परामर्श प्रदान किया जाता है, तब समावेशी शिक्षा सही रूप से छात्रों में समाहित होती है। इस प्रक्रिया में सभी प्रकार के छात्र रुचि लेकर ज्ञान और विज्ञान के क्षेत्र में एक साथ, एक ही छत के नीचे विकास करते हैं।

समावेशी शिक्षा में मार्गदर्शन-

शिक्षा और निर्देशन का आपस में गहरा संबंध है। शिक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करने में निर्देशन महत्वपूर्ण सहारा होता है। बालक अपनी शिक्षा, व्यवहार और जीवन के उद्देश्यों को निर्धारित करने में असमर्थ होता है और उसे निर्देशन की आवश्यकता का अनुभव

होता है। कुप्पू स्वामी के अनुसार-"निर्देशन की आवश्यकता हर युग में रही है, पर आज इस देश (भारत) में उत्पन्न हो रही परिस्थितियों ने इस आवश्यकता को काफी मजबूत बना दिया है।"

निर्देशन का आशय

निर्देशन एक प्रक्रिया है जिसमें बच्चों को सहायता या सलाह प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य बच्चों की समस्याओं का समाधान करना ही नहीं, बल्कि उन्हें इस योग्य बनाना भी है कि वे अपनी समस्याओं का समाधान स्वयं कर सकें। यदि हम व्यक्तिगत भिन्नताओं की अवधारणा को स्वीकार करें, तो यह स्पष्ट होता है कि बच्चे के विकास के लिए निर्देशन अनिवार्य है। यह निर्देशन व्यक्तिगत भिन्नताओं के आधार पर ही प्रदान किया जाता है।

हॉनरिंस के अनुसार :-"निर्देशन का तात्पर्य इस बात से है कि व्यक्ति अपनी क्षमताओं को समझे और उन्हें पहचान कर समस्याओं का समाधान करे"

विद्यालयीन बच्चों का मस्तिष्क अभी विकसित नहीं होता है, और उनके पास जीवन का अनुभव भी नहीं होता, जिससे वे सही और गलत को नहीं समझ पाते हैं, ऐसे समय में मार्गदर्शन के जरिए उनकी मदद की जाती है।

स्किनर ने लिखा है - "आधुनिक शिक्षा का मुख्य लक्ष्य है, हर व्यक्ति को उसकी क्षमताओं, रुचियों और अवसरों के अनुसार उचित चुनाव करने में मदद करना।"

बालक अपनी व्यक्तिगत दैनिक समस्याओं को समझने और हल करने, समाधान खोजने में असमर्थ होते हैं, ऐसे में मार्गदर्शन उन्हें मदद करता है।

रिस्क के संदर्भ में -निर्देशन का लक्ष्य बच्चों को उनकी व्यक्तिगत परेशानियों को हल करने में मदद करना है ।

उपसंहार

स्कूलों में मार्गदर्शन और परामर्श का महत्व बेहद जरूरी है, क्योंकि ये बच्चों के व्यक्तित्व के विकास में सहायक होते हैं। छात्रों को करियर, पाठ्यक्रम के चयन और अवसरों पर विस्तृत सलाह मिलती है जिससे वे अपनी शिक्षा और करियर के लिए सही निर्णय ले सकें। किशोरावस्था को जीवन का संक्रमण काल कहा जाता है। इस समय कई संज्ञानात्मक, भावनात्मक और शारीरिक बदलाव होते हैं। अक्सर, दिशा-निर्देश की कमी के कारण, किशोर नशे के चक्कर में फंस जाते हैं, अपराधों में शामिल हो जाते हैं, विद्यालय छोड़ देते हैं और अवसाद के कारण आत्महत्या का प्रयास करते हैं। विद्यार्थी जीवन में करियर मार्गदर्शन और परामर्श एक महत्वपूर्ण तत्व है, जो छात्रों को उनके भविष्य के लिए सही मार्ग दिखाता है। यह प्रक्रिया छात्रों को उनकी रुचियों, क्षमताओं, और संभावनाओं के बारे में जानकार बनाती है, जिससे वे अपने करियर के विकल्पों पर सूचित और विवेकपूर्ण निर्णय ले सकें। करियर मार्गदर्शन छात्रों को व्यक्तिगत और व्यावसायिक दृष्टिकोण से उनके सपनों और लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता करता है।

संदर्भ ग्रंथ-सूची

[1]. हैच, टी.; बोवर्स, जे. (2003).एएससीए राष्ट्रीय मॉडल: स्कूल परामर्श कार्यक्रमों के लिए एक रूपरेखा (2012 संस्करण). अलेक्जेंड्रिया, वर्जीनिया: अमेरिकन स्कूल काउंसलर एसोसिएशन.

[2]. गुप्ता और शर्मा (2003).स्कूलों में परामर्श: आवश्यक सेवाएँ और व्यापक कार्यक्रम(चौथा संस्करण). बोस्टन: एलिन एंड बेकन.

[3]. पटवर्धन, जॉन; डिमिट, केरी; हैच, ट्रिश; एट अल. (फ़रवरी 2008)। "साक्ष्य-आधारित स्कूल परामर्श के लिए राष्ट्रीय पैनल की रिपोर्ट: परिणाम अनुसंधान कोडिंग प्रोटोकॉल और छात्र सफलता कौशल का मूल्यांकन और दूसरा चरण"। व्यावसायिक स्कूल परामर्श ।

[4]. कीट्स, पीए; लैटश, डी. (2010). "कनाडाई स्कूलों में परामर्शदाताओं के विनियमन पर विचार: वर्तमान मुद्दे और चिंताएँ"।कैनेडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन एंड पॉलिसी।

[5]. वॉकर, के. (2015). "स्कूल काउंसलिंग की प्रभावशीलता में सुधार: आम सहमति, सहयोग और नैदानिक पर्यवेक्षण"।कैनेडियन जर्नल ऑफ काउंसलिंग एंड साइकोथेरेपी। 49(3):275–295.

[6]. "मार्गदर्शन परामर्शदाता: भूमिकाओं का विस्तार सीमित पहुँच" शिक्षा के लिए लोग। 2018.मूल से 2021-06-15 को संग्रहीत

[7]. अग्रवाल, ओकरमैन, और मेसन, 2014 "एएससीए राष्ट्रीय मॉडल: स्कूल परामर्श कार्यक्रमों के लिए एक रूपरेखा" (पीडीएफ) । schoolcounselor.org । मूल से 2018-03-22 को संग्रहीत (पीडीएफ) । 2018-03-21 को पुनःप्राप्त ।

[8]. "अच्छे व्यवहार के सिद्धांतों का विवरण" (पीडीएफ) कॉलेज प्रवेश परामर्श के लिए राष्ट्रीय संघ। 2012-02-17. मूल से 2012-02-17 को संग्रहीत (पीडीएफ) । 2021-08-19 को पुनःप्राप्त । ब्रिटेन में, वे नैतिकता और मार्गदर्शन के लिए इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ साइकोथेरेपी एंड काउंसलिंग (आईएसपीसी) और एनसीएस का सहारा लेते हैं।

[9]. चांडलर, जेडब्ल्यू; बर्नहैम, जेजे; रीचेल, एमईके; एट अल. (2018). "स्कूल काउंसलरों की परामर्श और गैर-परामर्श भूमिकाओं का आकलन"। जर्नल ऑफ स्कूल काउंसलिंग । 16 (7)।

[10]. बेनिंगो, एस. (2017). "काउंसलर की धारणाएँ: आइए हम अपना काम करें!" जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड लर्निंग . 6 (4): 175–180 .doi : 10.5539/jel.v6n4p175 .

[11]. "मार्गदर्शन शिक्षक-परामर्शदाता की भूमिका" (पीडीएफ) । ओंटारियो स्कूल काउंसलर एसोसिएशन। मूल से 2021-07-29 को संग्रहीत (पीडीएफ) ।

[12]. एस्ट्रामोविच, आरएल, होस्किन्स, डब्ल्यूजे, और कोकर, जेके (2008)। जवाबदेही सेतु: स्कूल परामर्श कार्यक्रमों के मूल्यांकन हेतु एक मॉडल। डब्यूक, आईए: केंडल हंट।

[13]. ब्रिगमैन, जी., लेम्बर्गर, एम., और मूर, एम. (2012). शैक्षिक उत्कृष्टता प्रदर्शित करने का प्रयास: एडलरियन परामर्शदाताओं द्वारा छात्रों की उपलब्धि और व्यवहार पर प्रभाव प्रदर्शित करने के उपाय. जर्नल ऑफ इंडिविजुअल साइकोलॉजी.

[14]. ब्रिगमैन, जी., विलारेस, ई., और वेब, एल. (2013). छात्र उपलब्धि और व्यवहार में सुधार के लिए व्यक्तिगत मनोविज्ञान दृष्टिकोणों की प्रभावकारिता. जर्नल ऑफ इंडिविजुअल साइकोलॉजी.

[15]. भाटिया, जे.; डिमिट, सी. (2012). "स्कूल परामर्श और छात्र परिणाम: छह राज्यव्यापी अध्ययनों का सारांश"। व्यावसायिक स्कूल परामर्श । 16 (2): 146–153 . doi : 10.1177/2156759X0001600204 . S2CID 145374780

[16]. चेन-हेस, एस.एफ. (2007). "एक्सेस प्रश्नावली: प्रत्येक छात्र के लिए समानता और सफलता सुनिश्चित करने हेतु K-12 स्कूल परामर्श कार्यक्रमों और हस्तक्षेपों का आकलन"। परामर्श और मानव विकास । 39 : 1–10 .

[17]. सिंह, सी.ए.; स्टोन, सी.बी. (2009). "स्कूल काउंसलर जवाबदेही: सामाजिक न्याय और प्रणालीगत परिवर्तन का मार्ग"। जर्नल ऑफ काउंसलिंग एंड डेवलपमेंट . 87 : 12–20 . doi : 10.1002/j.1556-6678.2009.tb00544.x .

[18]. होलकोम्ब-मैककॉय, सी.; गोंजालेज, आई.; जॉनसन, जी. (2009). "डेटा उपयोग के पूर्वानुमान के रूप में स्कूल परामर्शदाताओं की प्रवृत्तियाँ"। व्यावसायिक स्कूल परामर्श । 12 (5): 343–351 . doi : 10.1177/2156759X0901200504 ।

[19]. शर्मा, एम.एल. (2003). "डेटा-संचालित निर्णय-निर्माण: जवाबदेही का इंजन"। व्यावसायिक स्कूल परामर्श । 6 : 288–295 .

[20]. लियोन, ए.; विलारेस, ई.; ब्रिगमैन, जी.; वेब, एल.; पेलुसो, पी. (2011). "हिस्पैनिक छात्रों की उपलब्धि के अंतर को पाटना: एक स्कूल परामर्श प्रतिक्रिया"। परामर्श परिणाम अनुसंधान और मूल्यांकन . 2 : 73–